रानी मनाएंगी अपने शानदार करियर के 30 साल

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी अपनी आने वाली फिल्म 'मर्दानी 3' के साथ अपने शानदार करियर का 30 साल पूरा करेंगी.

रानी मुखर्जी भारतीय सिनेमा की एक पथप्रदर्शक आइकॉन हैं, जिन्होंने अपने 30 वर्षों के करियर में लगातार मजबूत, आत्मनिर्भर महिलाओं के किरदार निभाए हैं और अपनी फिल्मों के ज़रिए रूढ़ियों को चुनौती दी है. आधुनिक भारतीय महिला की पहचान मानी जाने वाली रानी ने सिनेमा को गरिमा, समानता और सम्मान की एक सशक्त आवाज़ के रूप में इस्तेमाल किया है.

ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज़ मर्दानी 3 की रिलीज़ के साथ इंडस्ट्री में 30 साल पूरे करने जा रहीं रानी मुखर्जी ने एक भावुक नोट लिखा है. चार पेज के इस नोट में रानी मुखर्जी ने अपने 30 साल लंबे करियर की एक झलक शेयर की. उन्होंने कहा कि वह फिल्मों में सोच-समझकर नहीं आई थीं. बॉलीवुड में आना उनका कोई मास्टर प्लान नहीं था. उन्होंने कहा कि फिल्म मर्दानी 3 उनके लिए एक याद दिलाने वाला संकेत है कि मेहनत, ईमानदारी और अच्छे काम का कोई विकल्प नहीं होता. उनके लिए यह पड़ाव पीछे मुड़कर देखने से ज्यादा आगे बढ़ने की प्रेरणा है.

मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और फ़िल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है. जहां मर्दानी (पहली फ़िल्म) ने मानव तस्करी की भयावह सच्चाई को दिखाया था, वहीं मर्दानी 2 में सिस्टम को चुनौती देने वाले एक साइकोपैथ सीरियल रेपिस्ट के खौफनाक दिमाग को उजागर किया गया था. मर्दानी 3 समाज की एक और अंधेरी और क्रूर सच्चाई में उतरने जा रही है, और फ्रैंचाइज़ की दमदार, मुद्दा-आधारित कहानी कहने की परंपरा को आगे बढ़ाएगी. यश राज फ़िल्म्स बैनर तले बनी 'मर्दानी 3' 30 जनवरी को रिलीज़ होगी.

विक्रम फड़नीस की फिल्म में नजर आयेंगी सैयामी खेर

बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर मशहूर डिज़ाइनर से फिल्म निर्देशक बने विक्रम फड़नीस की आने वाली हिंदी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी.

सैयामी खेर नए साल की शुरुआत एक खास और उत्साह भरे प्रोजेक्ट के साथ करने जा रही हैं. वह विक्रम फड़नीस की आने वाली हिंदी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी. यह फिल्म रील यूफोरिया और नाइट स्काई मूवीज़ के सहयोग से बन रही है और इसकी शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है. यह सैयामी के करियर का एक और अहम पड़ाव है. इस फिल्म में सैयामी के साथ विनीत कुमार सिंह और ताहिर राज भसीन भी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे. सैयामी ने प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए अपने सोशल मीडिया पर शूट के पहले दिन की एक झलक साझा की. तस्वीर में फिल्म की स्क्रिप्ट भी नज़र आई. पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, 'और आज हर खामोश दुआ अपनी मंज़िल तक पहुंच गई,नया साल, नई शुरुआत. हमेशा की तरह आप सबकी दुआओं की ज़रूरत है.'

सैयामी खेर ने कहा, '2026 की इससे बेहतर शुरुआत मैं सोच भी नहीं सकती थी. यह फिल्म मेरे पास एक बहुत खास समय पर आई.

आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की तारीफ की

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फिल्म 'हक' में यामी गौतम के अभिनय की तारीफ की है.

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म 'हक' देखी. आलिया को 'हक' बेहद पसंद आई है. आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है. आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, 'क्वीन यामी गौतम, 'हक' में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं. यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं.'

फिल्म हक में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है. मध्य प्रदेश के इंदौर की शाह बानो बेगम को 1978 में उनके पति ने तलाक दे दिया था. इसके बाद शाह बानो ने सर्वोच्च न्यायालय में एक आपराधिक मुकदमा दायर किया, जिसमें उन्होंने अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार जीता.

सात साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया.

अनन्या ने सादगी और असलियत को अपनाया

अनन्या पांडे 2026 में कदम रखते हुए सादगी और असलियत के साथ अपने दिन की शुरुआत करती हैं, जिसमें कैलिफ़ोर्निया बादाम उनके रोज़ाना के रूटीन का हिस्सा हैं. एक नए इंस्टाग्राम रील में, यह अभिनेत्री आईने के सामने अपने आप से संवाद करती दिखाई देती हैं, और नए साल के संकल्पों के साथ आने वाले परिचित दबाव के बारे में खुलकर बात करती हैं.

समय कितनी तेजी से बीत जाता है और 'नया साल, नया मैं' जैसी सोच के साथ अक्सर चिंता जुड़ जाती है, इसे ध्यान में रखते हुए अनन्या एक अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपनाती हैं – असंभव मानकों का पीछा करने के बजाय छोटे, टिकाऊ आदतों पर ध्यान केंद्रित करती हैं. बेहतर नींद लेना, हाइड्रेटेड रहना, नियमित व्यायाम करना और साथ ही थोड़े कैलिफ़ोर्निया बादाम शामिल करना – उनका संदेश पूर्णता से अधिक निरंतरता पर केंद्रित है.वह अपनी सुबह की दिनचर्या का एक आसान लेकिन अहम हिस्सा भी साझा करती हैं—दिन की शुरुआत मुट्ठी भर कैलिफ़ोर्निया बादाम से करना. प्राकृतिक ऊर्जा का स्रोत होने के कारण बादाम उन्हें पूरे दिन सक्रिय रखते हैं, वहीं इनमें मौजूद हेल्दी फैट्स और विटामिन ई त्वचा की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं.

आमिर खान और वीर दास के साथ नजर आये सुनील ग्रोवर

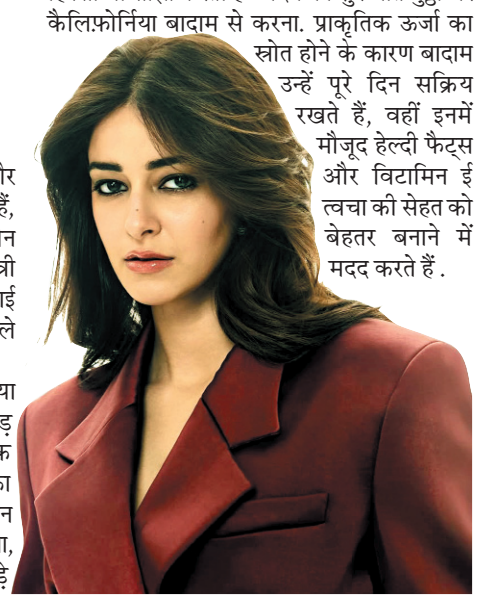

आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक मज़ेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें आमिर खान और वीर दास के साथ अभिनेता-कॉमेडियन सुनील ग्रोवर नजर आ रहे हैं.

आमिर खान प्रोडक्शंस , हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस के साथ एक और मज़ेदार कहानी बड़े पर्दे पर ला रहा है. यह आने वाली स्पाई-कॉमेडी फिल्म अभिनेता-कॉमेडियन वीर दास को लीड रोल में पेश करती है और खास बात यह है कि यह उनके निर्देशन में बनी पहली फिल्म है. फिल्म को लेकर पहले से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी यह जानने को बेताब हैं कि यह नया एंटरटेनर क्या धमाल मचाने वाला है.

कॉमेडी और कंफ्यूजन से भरपूर सप्ताह !

एण्डटीवी के लोकप्रिय शोज 'भाबीजी घर पर हैं', 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'घरवाली पेड़वाली' में इस हफ्ते हंसी, ड्रामा और रोमांच का जबरदस्त तड़का लगने वाला है. दर्शकों को इस सप्ताह की कहानी में ढेर सारे रहस्य, गलत पहचान, षड़यंत्र और हंसी से भरपूर हंगामा देखने का मौका मिलेगा. 'घरवाली पेड़वाली' के बारे में सीरत कपूर उर्फ सावी ने बताया कि, 'सिनेमा हॉल में जीतू (पारस अरोड़ा) के सामने एक बड़ी मुसीबत खड़ी हो जाती है. उसकी नौकरी इस बात पर टिकी है कि उसकी पत्नी उसके बॉस को कितने अच्छे से डिनर खिलाती है. लेकिन गड़बड़ तब शुरू होती है जब हर बॉस एक अलग महिला को जीतू की पत्नी समझ लेता है. असली पत्नी सावी को रीता (ऋचा सोनी) और गीता (गीता बिष्ट) की देखरेख में खाना बनाना पड़ता है, करता है. अंत में, एक रहस्यमयी आत्मा के साये और टाइम-फ्रीज ट्विस्ट के कारण डिनर पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो जाता है.'

अपने रोल को लेकर राजेंद्र चावला ने बताई खास बातें

'लक्ष्मी निवास' में श्रीनिवास का किरदार निभा रहे सीनियर एक्टर राजेंद्र चावला कहते हैं कि श्रीनिवास उस हर मिडिल क्लास आदमी का आईना है, जो चुपचाप अपने परिवार के सपनों का बोझ अपने कंधों पर उठाए चलता है. यह शो एक ऐसे दंपति की कहानी दिखाता है, जिसने दशकों तक किराए के घर में ज़िंदगी बिताई और अब अपना घर बनाने का सपना देखने की हिम्मत जुटा रहे हैं. परिवार के मुखिया के रूप में श्रीनिवास कम बोलने वाला, लेकिन गहराई से महसूस करने वाला इंसान है, जिसकी पूरी दुनिया उसकी पत्नी, उसके बच्चे और वे मूल्य हैं, जिन्हें वो दिल से मानता है. 'लक्ष्मी निवास' लक्ष्मी और श्रीनिवास की एक दिल से जुड़ी कहानी है. दोनों पिछले 35 साल से किराए के घर में रह रहे हैं और अब जब रिटायरमेंट करीब है, तो वे अपने उस सपने को पूरा करने की कोशिश करते हैं, जो हर मिडिल क्लास परिवार का होता है, यानी अपना खुद का घर. ये कहानी हर भारतीय परिवार से जुड़ती है, जहां पैसों की चुनौतियां, परिवार की उम्मीदें और आपसी प्यार साथ-साथ चलते हैं. इसके साथ ही यह पति- पत्नी के उस रिश्ते को भी खूबसूरती से दिखाती है, जो ज़िंदगी के हर पड़ाव पर एक दूसरे के साथ खड़ा रहता है. आज की तेज रफ्तार ज़िंदगी में हम अक्सर भूल जाते हैं कि घर खरीदने का सपना या अपने परिवार को खुश देखना आज भी बहुत-से लोगों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है. 'लक्ष्मी निवास' मिडिल क्लास भारत की उस सच्चाई को सामने लाता है, जहां भले ही संसाधन सीमित हों, लेकिन संतुष्टि, ईमानदारी और साथ होने का भाव बहुत गहरा होता है. ये कहानी असली लोगों, उनकी रोजमर्रा की मेहनत और उनके सच्चे जज़्बातों का जश्न है.

घर कब आओगे गीत के साथ विरासत जुड़ी है : मिथुन

बॉलीवुड के जानेमाने संगीतकार मिथुन का कहना कि घर कब आओगे गीत के साथ एक ऐसी विरासत जुड़ी है, जो केवल सम्मान की हक़दार है.

बॉर्डर 2 का गीत 'घर कब आओगे' विरह, बलिदान और राष्ट्रीय गौरव को समर्पित एक भावनात्मक श्रद्धांजलि है. गीत 'संदेशे आते हैं', जिसे मूल रूप से अनु मलिक ने संगीतबद्ध किया था की भावनात्मक विरासत को आगे बढ़ाते हुए, संगीतकार मिथुन इस नए एंथम में ताज़ा लेकिन पूरी तरह सम्मानजनक दृष्टिकोण लेकर आते हैं.उनकी संगीत-रचना भारत की पांच बेहतरीन आवाज़ों अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ, विशाल मिश्रा, रूप कुमार राठौड़ और सोनू निगम के लिए एक समृद्ध साउंडस्केप रचती है. ये सभी कलाकार अपनी अलग पहचान के साथ उस गीत को स्वर देते हैं, जो देश की सेवा करने वालों और उनके सुरक्षित लौटने की प्रतीक्षा करने वालों दोनों को सम्मानित करता है.

मिथुन ने कहा, 'इस गीत के साथ एक ऐसी विरासत जुड़ी है, जो केवल सम्मान की हक़दार है.

नया साल, नया दौर और वही पुराना जादू : प्रियंवदा कांत

एण्डटीवी के लोकप्रिय शो 'घरवाली पेडवाली' में लतिका का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री प्रियंवदा कांत के लिए 1 जनवरी सिर्फ नये साल की शुरूआत ही नहीं, बल्कि उनका जन्मदिन का खास मौका भी है.

यही कारण है कि साल 2026 की शुरुआत वह एक खास उत्साह, आभार और नई ऊर्जा के साथ कर रही हैं. 15 साल के अभिनय सफर को पीछे मुड़कर देखते हुए प्रियंवदा अपने अब तक के सफर और आने वाले साल को लेकर बेहद सकारात्मक नजर आती हैं. व्यस्त शूटिंग शेड्यूल के बीच छोटी-छोटी खुशियों को संजोते हुए प्रियंवदा मानती हैं कि प्यार, मुस्कान और एक जादुई किरदार के साथ नए साल की शुरुआत से बेहतर कुछ नहीं हो सकता.

प्रियंवदा कांत ऊर्फ लतिका कहती हैं, '1 जनवरी को जन्मदिन होना हमेशा से मेरे लिए बहुत खास रहा है. स्कूल के दिनों से ही जब

सभी लोग नए साल का इंतज़ार करते थे, तब मेरे लिए जन्मदिन का उत्साह भी जुड़ जाता था. जब सभी लोग नया साल मनाते हैं, तब मेरे लिए यह दोहरी खुशी लेकर आता है.

ऑटोमोबाइल

कारों में ऑटोमोटिव सेंसर्स के फायदे

बीते कुछ सालों में कारों में सेफ्टी के लिए कई सारे फीचर्स को जोड़ा गया है. अब लोग भी कार खरीदने से पहले उसके सेफ्टी फीचर्स के बारे में अच्छे से जानकारी हासिल करते हैं और फिर कोई निर्णय लेते हैं. कार में अधिकतर फीचर्स सेंसर्स के भरोसे काम करते हैं. ऐसे में यह सेंसर न केवल सेफ्टी में इजाफा करते हैं, बल्कि कार की माइलेज को भी प्रभावित करते हैं. कार में कई ऑटोमोटिव सेंसर्स मिलते हैं, आइए नीचे जानते हैं इनकी पूरी जानकारी.

मास एयर फ्लो सेंसर- मास एयर फ्लो सेंसर कार के इंजन में प्रवेश करने वाली हवा की गुणवत्ता को मापता है. अगर यह सेंसर खराब हो जाए तो एयर फ्यूल मिक्सर की रीडिंग सही नहीं आएगी. इस वजह से कार की फ्यूल इकोनॉमी कम दिखा सकता है और इसका प्रभाव कार की माइलेज पर भी होता है.

टीपीएमएस- टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम यानी टीपीएमएस सेंसर कार के टायरों में होने वाली किसी भी परेशानी का पता लगा सकता है. टीपीएमएस सेंसर टायर में किसी तरह की गड़बड़ी होने पर डैशबोर्ड स्क्रीन पर उसकी जानकारी देता है. यह बताता है कि टायर में कितनी हवा है और क्या टायर पंक्चर है या नहीं. टायर एयर प्रेशर कम या अधिक दोनों में ही गाड़ी के माइलेज पर फर्क पड़ता है.

फ्यूल प्रेशर सेंसर- फ्यूल प्रेशर सेंसर कार के फ्यूल दबाव को चेक करता है और इसकी गलत रीडिंग की वजह से फ्यूल टू एयर रेशियो भी गलत आती है. इस वजह से फ्यूल एफिशियंसी कम हो सकती है, जिसकी वजह से इंजन पर खराब प्रभाव पड़ सकता है. ऐसे में माइलेज भी कम हो सकती है.

ऑक्सीजन सेंसर- ऑक्सीजन सेंसर कार से निकलने वाली गैस में बिना जली ऑक्सीजन की मात्रा की जांच करता है. साधारण भाषा में यह सेंसर हवा में फ्यूल की निगरानी करता है. अगर इसमें कोई खराबी आ जाए तो इससे फ्यूल एफिशियंसी कम हो सकती है,

कम कीमत में सनरूफ वाली पांच बेहतरीन कारें

एक समय सनरूफ सिर्फ लग्जरी कारों तक सीमित थी, लेकिन अब यह फीचर मिड-सेगमेंट कार खरीदारों की भी पहली पसंद बन चुका है. साल 2026 में कार कंपनियों ने अपनी लाइन-अप को अपडेट करते हुए ऐसे कई मॉडल पेश किए हैं, जिनमें 15 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के अंदर सनरूफ या पैनोरमिक सनरूफ मिलता है.

1. टाटा सिएरा की इस लिस्ट में मौजूदगी- टाटा सिएरा भारतीय बाजार की नई एसयूवी में से एक है Pure+ वेरिएंट से पैनोरमिक सनरूफ की सुविधा. कीमत लगभग रुपए 14.49 लाख (एक्स-शोरूम, दिल्ली), अपने सेगमेंट में सबसे बड़ा सनरूफ, जो इसे प्रतिद्वंद्वियों से अलग बनाता है

2. MG हेक्टर 2026 फेसलिफ्ट क्या खास पेश करता है?- 2026 फेसलिफ्ट में नया एक्सटीरियर और अपग्रेडेड इंटीरियर Select Pro ट्रिम में पैनोरमिक सनरूफ, कीमत करीब रुपए 14 लाख (एक्स-शोरूम), आरामदायक केबिन और सड़क पर दमदार मौजूदगी.

3. मारुति सुजुकी विक्टोरिस क्यों बनती है एक प्रीमियम विकल्प?- नया प्रीमियम मॉडल, मिड-सेगमेंट खरीदारों को ध्यान में रखकर तैयार ZXI (O) वेरिएंट में पैनोरमिक सनरूफ, कीमत लगभग रुपए 14.08 लाख (एक्स-शोरूम), पेट्रोल और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड इंजन का विकल्प, सेगमेंट में तुलनात्मक रूप से बड़ा सनरूफ

4. ह्यूंदै क्रेटा अब भी खरीदारों की पहली पसंद क्यों है?- EX(O) वेरिएंट से पैनोरमिक सनरूफ की सुविधा, कीमत करीब रुपए 12.58 लाख (एक्स-शोरूम, दिल्ली), भरोसेमंद ब्रांड वैल्यू और लगातार अपडेट होते फीचर्स, कंफर्ट और टेक्नोलॉजी का अच्छा संतुलन.

5. होंडा एलिवेट किस तरह बजट में सनरूफ देती है?- VX और VX Ape& Edition वेरिएंट में सिंगल-पेन सनरूफ- कीमत रुपए15 लाख से नीचे (एक्स-शोरूम), टैक्स सुधारों के बाद कीमत में संतुलन, मिड-ट्रिम में ही सनरूफ मिलने से वैल्यू फॉर मनी विकल्प.

टाटा हैरियर और सफारी के पेट्रोल वेरिएंट हुए लॉन्च

टाटा ने अब हैरियर और सफारी के पेट्रोल वेरिएंट लॉन्च कर दिए हैं. इनमें 1.5 लीटर का टर्बो-पेट्रोल इंजन लगा है, जो सिएरा में भी दिया गया है और यही इंजन अब हैरियर और सफारी एसयूवी में भी उपलब्ध है. इसके साथ ही, टाटा ने दोनों कारों में कुछ बदलाव भी किए हैं और नए फीचर्स भी जोड़े हैं. टाटा ने हैरियर पेट्रोल और सफारी पेट्रोल को क्रमश: 12.89 लाख रुपये और 13.29 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर लॉन्च किया है.

रोमांचक होगी ड्राइविंग- हैरियर और सफारी काफी फुर्तिली एसयूवी कार हैं, और इनका डीज़ल इंजन एफिशिएंसी और परफॉर्मेंस का बढ़िया संतुलन देता है. हालांकि, यह नया टर्बो-पेट्रोल इंजन पेट्रोल इंजन पेट्रोल के शौकीनों और ड्राइविंग का ज़्यादा आनंद लेने वालों को पसंद आएगा.

कागजों पर, डीज़ल इंजन ज़्यादा पावरफुल दिखता है. हालांकि, असल परफॉर्मेंस अलग हो सकती है. इन दोनों इंजन विकल्पों के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दिया गया है, जो सहूलियत देगा. ध्यान दें कि टाटा ने हैरियर और सफारी के टर्बो-पेट्रोल इंजन को ज़्यादा आउटपुट देने के हिसाब से ट्यून किया है.

कंपनी ने हैरियर की फ्यूल एफिशिएंसी 25.9 किलोमीटर प्रति लीटर बताई है, जबकि सफारी 25 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देगी. पेट्रोल वेरिएंट की दावा की गई टॉप स्पीड 216 किलोमीटर प्रति घंटा है.

हैरियर और सफारी के फीचर्स और इंटीरियर- हैरियर और सफारी के पेट्रोल वेरिएंट में कई प्रीमियम फीचर्स दिए गए हैं, जो आपको रोज़ाना इस्तेमाल करने में पसंद आएंगे. इनमें नया 14-इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम, डॉल्बी एटमॉस वाला 10-स्पीकर जेबीएल साउंड सिस्टम, फ्रंट और रियर कैमरा वॉशर, फास्ट यूएसबी चार्जिंग (65वॉट) और हैरियर ईवी से लिया गया डिजिटल आईआरवीएम शामिल है.

सुजुकी ई-एक्सेस इलेक्ट्रिक स्कूटर भारत में लॉन्च

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने आखिरकार भारतीय इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में कदम रखते हुए अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर e-Access (ई-एक्सेस) लॉन्च कर दिया है. इस स्कूटर की एक्स-शोरूम कीमत 1.88 लाख रुपये रखी गई है.

कंपनी ने इसके लिए देशभर के अधिकृत सुजुकी डीलरशिप पर बुकिंग भी शुरू कर दी है और जल्द ही इसकी बिक्री भी शुरू होने वाली है. e-Access का ग्लोबल डेब्यू पिछले साल भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में हुआ था और यह सुजुकी के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया सेगमेंट में एक अहम शुरुआत मानी जा रही है.

बैटरी, मोटर और रेंज- सुजुकी e-Access में 3 kWh की फिक्स्ड लिथियम आयरन फॉस्फेट बैटरी दी गई है, जो एक बार फुल चार्ज होने पर 95 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती है. इस बैटरी को 4.1 kW की इलेक्ट्रिक मोटर से जोड़ा गया है, जो 15 Nm का टॉर्क जनरेट करती है. कंपनी का कहना है कि स्कूटर 10 प्रतिशत स्टेट ऑफ चार्ज पर भी स्मूद और लगातार एक्सीलरेशन बनाए रखता है. सुजुकी के मुताबिक, LFP बैटरी पारंपरिक NMC बैटरियों की तुलना में करीब चार गुना ज्यादा लंबी उम्र देती है.

चार्जिंग ऑप्शन और समय

e-Access में स्टैंडर्ड और फास्ट चार्जिंग, दोनों का सपोर्ट दिया गया है. सामान्य चार्जर से बैटरी को पूरी तरह चार्ज होने में करीब 6 घंटे 42 मिनट का समय लगता है. वहीं, ष्ठष्ट फास्ट चार्जिंग की मदद से यही काम लगभग 2 घंटे 12 मिनट में पूरा हो जाता है. स्कूटर को घर पर पोर्टेबल चार्जर से या फिर सपोर्टेड पब्लिक चार्जिंग पॉइंट्स पर चार्ज किया जा सकता है.

जाना-पहचाना नाम, नया इलेक्ट्रिक अवतार

e-Access को सुजुकी ने एक प्रैक्टिकल और शहरी जरूरतों पर केंद्रित कम्यूटर स्कूटर के रूप में पेश किया है. डिजाइन की बात करें तो इसके फ्रंट एप्रन पर बीच में वर्टिकली स्टैक्ड स्र्ष्ठ डीआरएल दिया गया है, जिसके साथ आयताकार LED हेडलैंप मिलता है. साइड प्रोफाइल काफी सादा और साफ-सुथरा है.